# राष्ट्रीय संगोष्ठी

# 1942 की जनक्रांति और गाजीपुर जनपद में प्रतिरोध का लोक स्वरूप

3-4 नवंबर, 2023

प्रायोजक

**भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद**

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

संयुक्त आयोजक

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग

**ईश्वर शरण पी.जी. कॉलेज**

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं

**स्वामी सहजानंद पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर**

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

**आयोजन स्थल : स्वामी सहजानंद पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर**

## मुख्य संरक्षक

**प्रो. संगीता श्रीवास्तव**
**माननीय कुलपति**
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

**प्रो. वन्दना सिंह**
**माननीय कुलपति**
वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

## संरक्षक

**श्री अजय शंकर, (IAS)**
**अध्यक्ष**
शासी निकाय, ईश्वर शरण पी.जी. कॉलेज
प्रयागराज

**श्री रमाकांत राय शर्मा**
**अध्यक्ष**
स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज
गाजीपुर

**अध्यक्ष**
**प्रो. आनन्द शंकर सिंह**
प्राचार्य, ईश्वर शरण पी.जी. कॉलेज
प्रयागराज

**सह-अध्यक्ष**
**प्रो. वी. के. राय**
प्राचार्य, स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज
गाजीपुर

**संयोजक**
**डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह**
असिस्टेंट प्रोफेसर
मध्य. एवं आधु. इतिहास विभाग
ई.श.पी.जी. कॉलेज
प्रयागराज

**आयोजन सचिव**
**डॉ. मनोज कुमार दुबे**
असिस्टेंट प्रोफेसर
प्राचीन इतिहास विभाग
ई.श.पी.जी. कॉलेज
प्रयागराज

**स्थानीय आयोजन सचिव**
**प्रो. अजय कुमार राय**
विभागाध्यक्ष
अंग्रेजी विभाग
स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज
गाजीपुर

## महाविद्यालय परिचय

ईश्वर शरण पी. जी. कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का प्रमुख संघटक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना 'हरिजन सेवक संघ' के तत्वाधान में महात्मा गाँधी के करीबी सहयोगी मुंशी ईश्वर शरण द्वारा 1970ई. में किया गया। महात्मा गाँधी जी के साथ स्वर्गीय मुंशी जी का जुड़ाव इतना मजबूत था कि गाँधी जी ने दो बार महाविद्यालय परिसर का दौरा किया, जिससे हमारी संस्था की विरासत को और अधिक महत्त्व मिला। बाद में इसके संस्थापक को श्रद्धांजलि स्वरूप सोसायटी का नाम बदलकर 'ईश्वर शरण आश्रम' कर दिया गया। यूजीसी द्वारा ईश्वर शरण पी.जी. कॉलेज को 'कॉलेज विथ पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस' (CPE) का दर्जा दिया गया है। महाविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किया गया है।

स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज, उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर स्थित इस विद्या तीर्थ की स्थापना किसान जागरण के अग्रदूत स्वामी सहजानन्द के नाम पर सन 1972 ई. में हुआ। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से संबद्ध इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के नित्य नए सोपानों को छूते हुए उच्च शिक्षा में अपनी अनूठी पहचान स्थापित की हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संपोषित लघु एवं दीर्घ शोध परियोजनाएं इस महाविद्यालय द्वारा संचालित है।

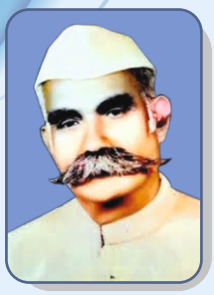

विश्वनाथ सिंह गहमरी

डॉ0 शिवपूजन राय

सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह

# 1942 की जनक्रांति और गाजीपुर जनपद में प्रतिरोध का लोक स्वरूप

21 मई 1775 को अवध के नवाब आसफउद्दौला तथा ईस्ट इण्डिया कम्पनी के मध्य सन्धि हुई, जिसके फलस्वरूप गाजीपुर सहित सम्पूर्ण बनारस सूबे पर कम्पनी का अधिकार हो गया। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में कम्पनी का शोषण तथा बर्बरता भी प्रारम्भ हो गयी, जिसके प्रतिक्रिया स्वरूप 1857 में ही गाजीपुर की जनता ने हथियार उठा लिया और क्रांति का झंडा बुलन्द किया। 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के समय भी गाजीपुर की जनता ने इसे लोक तथा जनक्रांति का स्वरूप दे दिया।

8 अगस्त 1942 को कांग्रेस कार्यकारिणी ने ''भारत छोड़ो प्रस्ताव'' को स्वीकार कर लिया और उसी दिन गाँधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया। 9 अगस्त को देश के सभी शीर्षस्थ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। 10 अगस्त को इस सूचना से सम्पूर्ण जनपद उत्तेजित हो उठा और उसी दिन प्रातः ही श्री परशुराम राय, गजानन्द जी तथा कुछ अन्य प्रमुख स्थानीय कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी त्वरित प्रतिक्रिया हुई और 10 अगस्त को प्रातः 9 बजे गाजीपुर शहर में तपई राम और नगीना राम के नेतृत्व में 'महात्मा गॉधी जी की जय' बोलते हुए आम हड़लात का आह्वान किया गया। शहर के सभी शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने कक्षाओं का बहिष्कार किया और 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा लगाते हुए जुलूस निकाला।

प्रारम्भ में गाजीपुर में आन्दोलन का स्वरूप पूर्णतया अहिंसात्मक था किंतु जैसे-जैसे दूसरे स्थानों से पुलिस द्वारा जन-उत्पीड़न का समाचार मिलने लगा, वैसे ही आन्दोलन हिंसक होता गया। वस्तुतः 10 अगस्त से 30 अगस्त तक जनपद में क्रांति का स्वरूप अत्यन्त उग्र व स्फूर्तवान था। 14 अगस्त को बलदाऊ पाण्डेय के नेतृत्व में लगभग 500 लोगों ने औड़िहार स्टेशन पर अधिकार कर लिया। 15 अगस्त 1942 को जंगीपुर तथा अंधऊ के बीच बेसो नदी पर बने पुल को ग्राम तारनपुर के गोपी सिंह के नेतृत्व में स्थानीय जनता ने नष्ट करने का प्रयास किया। 16 अगस्त को छांगुर राम के नेतृत्व में 250 लोगों ने ढोड़ाडीह रेलवे स्टेशन को आग के हवाले कर दिया। 18 अगस्त 1942 को शेरपुर के शिवपूजन राय के नेतृत्व में दो हजार लोगों ने मुहम्मदाबाद तहसील पर तिरंगा फहराने का प्रयास किया, जिसमें शिवपूजन राय, रामबदन उपाध्याय, वशिष्ठ नारायन राय सहित 8 लोग शहीद हो गए और दर्जनों घायल हो गए। 18 अगस्त को ही भोला सिंह, जुनैद आलम, मुश्ताक आलम और रामधारी सिंह यादव के नेतृत्व में नंदगंज रेलवे स्टेशन पर सरकारी सामानों से लदी मालगाड़ी को लूट लिया गया।

पब्बर राम

जुनैद आलम

सरजू पाण्डेय

1857 की क्रांति की तरह इस बार भी गाँव ही क्रांति के केन्द्र रहे। 13 थानों में से 11 थाने जनता के कब्जे में आ चुके थे। गाजीपुर नगर के अतिरिक्त जनपद के शेष सभी क्षेत्रों पर आन्दोलनकारियों का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका था। 10 अगस्त से 21 अगस्त तक गाजीपुर जनपद ब्रिटिश प्रभुत्व से मुक्त रहा और प्रशासन का नियंत्रण नागरिकों के हाथों में आ गया था। कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने शक्ति और सुरक्षा के लिए जन पंचायतों का गठन कर लिया था। अंग्रेजों के दमनचक्र ने गाजीपुर सहित सम्पूर्ण भारत से सितम्बर के मध्य तक इस जनक्रांति को दबा दिया। नौजवान भूमिगत हो गये ओर फिर भूमिगत आन्दोलनों का लम्बा दौर चला।

गाजीपुर जनपद के 3000 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया,100 व्यक्तियों को नजरबंद कर दिया गया तथा 74 गाँवों को नष्ट कर दिया गया। 20 स्थानों पर गोलियाँ चलाई गई जिसमें 127 व्यक्ति शहीद हुए और 189 व्यक्ति घायल हो गए। इसके साथ ही जनपद से 3200176 रूपये सामूहिक जुर्माने के रूप में वसूल किया गया। गाजीपुर जनपद में समाज के सभी तबके और सभी धर्म के लोगों ने आन्दोलन में भाग लिया। गाँव के किसान, मजदूर, दलितों और यहाँ तक कि नर्तकियों ने भी सहयोग कर गाजीपुर जनपद में इन क्रांति को लोक स्वरूप प्रदान किया।

## संगोष्ठी के उप-विषय

- गाजीपुर जनपद का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- 1857 का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम और जनपद गाज़ीपुर
- भारतीय इतिहास लेखन में लोक प्रतिरोध और 1942
- भोजपुरी लोक चेतना में राष्ट्रवाद
- 1942 की जनक्रांति के पूर्व गाजीपुर में स्वतंत्रता संग्राम का स्वरूप
- लोक साहित्य, लोक गीतों तथा लोक नाट्य में 1942 की जनक्रांति
- 1942 के आन्दोलन में गाजीपुर की महिलाओं का योगदान
- स्वाधीनता आन्दोलन में गाजीपुर के साहित्यकारों एवं पत्रकारों का योगदान
- किसानों का लोक प्रतिरोध और 1942 की जनक्रांति
- स्वामी सहजानन्द सरस्वती और किसान आन्दोलन

हीरा सिंह कुशवाहा

आत्माराम पाण्डेय

गोपी सिंह

- गाजीपुर जनपद की वर्गीय चेतना और स्वाधीनता संग्राम
- गाजीपुर जनपद और आस-पास के क्षेत्रों में धार्मिक नेतृत्व और स्वाधीनता संग्राम
- स्वाधीनता संग्राम की वैचारिक पृष्ठभूमि और गाजीपुर
- स्वाधीनता संग्राम और गाजीपुर जनपद के अज्ञात नायक
- 1942 की जनक्रान्ति और पूर्वी उत्तर प्रदेश

## शोध पत्र आमंत्रण

आपसे अनुरोध है कि पंजीकरण शुल्क के साथ 250 शब्दों में शोध-सार या शोध-पत्र 27 अक्टूबर 2023 तक या उससे पहले भेजकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे अपना शोध-पत्र अंग्रेजी या हिंदी में टाइप करके जमा करें (अंग्रेजी के लिए एमएस-वर्ड, एरियल, टाइम्स न्यू रोमन फ़ॉन्ट्स, हिंदी के लिए कृति देव 010, फ़ॉन्ट आकार 14 का उपयोग करें)। शोध-पत्र को ईमेल आईडी (seminarisdc2023 @gmail.com) के जरिए भेजा जा सकता है। **सेमिनार की कार्यवाही आईएसबीएन (ISBN) के साथ पुस्तक के रूप में प्रकाशित की जाएगी।**

## पंजीकरण शुल्क

कृपया नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार पंजीकरण शुल्क जमा करें :

- प्राध्यापक व अन्य प्रतिभागी : ₹ मात्र 1000/-
- शोधार्थी : ₹ मात्र 700/-
- विद्यार्थी : ₹ मात्र 500/-

यदि पेपर संयुक्त लेखकत्व के तहत प्रस्तुत किया गया है, तो प्रत्येक प्रतिभागी के लिए पंजीकरण शुल्क अलग से लिया जाएगा।

## पंजीकरण

कृपया नीचे दिये गये लिंक द्वारा 27 अक्टूबर 2023 तक या उससे पूर्व संगोष्ठी के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण अवश्य करा लें।

लिंक : https://forms.gle/nFeGLSpoAPDaFWi48

मुश्ताक अहमद

बलदाऊ पाण्डेय

जमुना गिरि

## शुल्क हेतु विवरण

**Bank Details for NEFT/Online Transfer :**
Beneficiary Name : Principal, Iswar Saran Degree College, Prayagraj
Bank & Branch Name : INDIAN BANK, KATRA, PRAYAGRAJ
Account No. : 50472466551
IFSC : IDIB000A583

## सलाहकार समिति

प्रो0 हेरम्ब चतुर्वेदी
प्रो0 अवधेश नारायण राय
डॉ0 अजय कुमार श्रीवास्तव
डॉ0 आनन्द सिंह
डॉ0 धीरेन्द्र द्विवेदी
डॉ0 धीरज कुमार चौधरी
डॉ0 अनुजा सलूजा
डॉ0 शिवहर्ष सिंह
डॉ0 रचना सिंह
डॉ0 मान सिंह
डॉ0 अजीत कुमार राय

## आयोजन समिति

डॉ0 रागिनी राय
डॉ0 कृष्णा सिंह
डॉ0 विवेक कुमार राय
डॉ0 अखिलेश त्रिपाठी
डॉ0 रेफाक अहमद
डॉ0 अमरजीत राम
डॉ0 विकास कुमार
डॉ0 जमील अहमद
डॉ0 उदय प्रताप सिंह
डॉ0 अविनाश पाण्डेय
डॉ0 वेद प्रकाश मिश्रा

श्री रामधारी राम
डॉ0 विलोक सिंह
डॉ0 कृष्णा नंद दुबे
सुश्री तुलिका श्रीवास्तव
सुश्री सौम्या वर्मा
डॉ0 प्रमोद कुमार श्रीवास्तव
डॉ0 सतीश कुमार राय (हिन्दी)
डॉ0 देव प्रकाश राय
डॉ0 अखिलेश पाल
डॉ0 आलोक कुमार मिश्रा
डॉ0 शिवजी वर्मा


**संयोजक**
**डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह**
मोबाइलः 9455792364

**आयोजन सचिव**
**डॉ. मनोज कुमार दुबे**
मोबाइलः 9839140841

**स्थानीय आयोजन सचिव**
**प्रो. अजय कुमार राय**
मोबाइलः 9415350310


**www.isdc.ac.in; www.sspgc.ac.in**
**9455792364, 9839140841, 9415350310**